बिजली डीजल का विकल्प

बैल चालित पम्प (पांचाल पम्प)

ग्राम चोईरा में स्थापित

आत्मा, पूर्वी सिंहभूम
जमशेदपुर

बैल चालित पम्प बिजली डीजल का विकल्प।

चोइरा गाँव ! पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ प्रखण्ड का एक गाँव जो जमशेदपुर बहरागोड़ा मुख्य पथ NH-33 के किनारे बसा है।

आज चोइरा गाँव NH-33 से गुजरने वाले हर आने जाने वालों के लिए मुख्य आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। कारण एक सिंचाई पम्प है जो बैल से चलता है। न डीजल की आवश्यकता है न बिजली की जरूरत। बस एक जोड़ी बैल जोड़िए और मनचाहा सिचाई कीजिए।

इस बैल चालित पम्प जो पंचाल पम्प भी कहते है का डिजाइन भारतीय रेल सेवा से सेवानिवृत मैकेनिकल इंजीनियर श्री आर. एस. सिंह द्वारा किया गया है। श्री सिंह का सर्म्पक जनवरी 2009 में मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के राज्य स्तरीय परियोजना निदेशक श्री गोकुल मेहरा से हुआ एवं बैल चालित पम्प के बारे में जानकारी दिए। श्री मेहरा ने इस बैल चालित पम्प को घरातल पर लाने के लिए संकल्प किए और दिनांक 02.02.2009 को जमशेदपुर कृषि कार्यालय में कोल्हान प्रमण्डल के तीनो जिलों के कृषि पदाधिकारियों से विचार विर्मश किए। तय हुआ कि इस बैल चालित पम्प का प्रत्यक्षण मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के तहत गठित कलस्टर में किया जाय। इसमें आने वाला खर्च योजना के आधारभूत संरचना मद में उपलब्ध राशि से किया जाय।

चोइरा गाँव मुख्यमंत्री योजना के तहत गठित कलस्टर का ही एक गाँव है। इस कलस्टर अन्तर्गत कुल चार गाँव आते है शुरूआती दौर में चारों गाँवों में सर्वे किया गया एवं गाँव के किसानों के साथ बैठके की गयी। सभी गाँव के किसान चाह रहे थे कि उन्ही के गाँव में इसका प्रत्यक्षण किया जाय। इंजीनियर श्री आर. एस. सिंह ने जानकारी दी कि इस पम्प को नदी, तालाब, कुआँ, बोरिंग आदि में कहीं भी लगाया जा सकता है। इसकी सफलता जलस्रोत के उपलब्धता पर निर्भर करता है। पम्प के चारों ओर कम से कम 10 फीट के परिधि में बैल घूमने के लिए जमीन होना जरूरी है। सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि चोइरा गाँव में NH-33 पथ के किनारे की गई बोरिंग पर इसका प्रत्यक्षण किया जाय।

इस बोरिंग के चारो ओर लगभग 10 किसानों का जमीन है। सभी किसान काफी उत्साहित है तथा योजना तैयार कर रहे है कि वे इस रब्बी में पम्प के चारों ओर रब्बी की फसल एवं सब्जी की खेती करेंगे। अगल बगल के गाँवों के किसान भी इस बैल चालित पम्प को लगवाने के लिए काफी उत्सुक है।

इस बैल चालित पम्प की कीमत मात्र 70 हजार है परन्तु धरातल पर लगाने तक में बैलों की कीमत छोड़कर लगभग एक से सवा लाख तक पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जल स्रोत कैसा है। नदी, कुआँ आदि जिसमें पर्याप्त पानी होने की स्थिति में इस पम्प को लगाने में एक लाख के अंदर में खर्च आएगा। इस बैल चालित पम्प से प्रति घंटा 20,000 – 25,000 लीटर पानी निकलता है। यह बैलों के नस्ल तथा पानी के स्तर की उँचाई पर निर्भर करता है। इस पम्प के सहारे 7 – 10 एकड़ जमीन में फसल योजना तैयार कर सालों भर खेती की जा सकती है। वर्तमान में डीजल की कीमत एवं बिजली की किल्लत को देखते हुए छोटे एवं मँझोले आकार के जोत वाले किसानों के लिए यह बैल चालित पम्प काफी उपयोगी साबित होगा। इस पम्प को हम सिंचाई के लिए बिजली एवं डीजल का विकल्प के रूप में भी ले सकते है।

24/10/09

परियोजना निदेशक,आत्मा
पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर

पम्प मिलने का पता:
Panchal Pumps & Systems
F-77, "Udyog kunj" site-5
Panki Industrial Area
Kanpur (U.P.)
Pin - 208022

बैल चालित पम्प (पांचाल पम्प)

ाइरा गाँव मे बैल चालित पम्प फिटिंग करते हुए इंजीनियर एवं किसान

चोइरा गाँव मे बैल चालित पम्प फिटिंग करते हुए इंजीनियर एवं पदाधिकारी

चोइरा गाँव मे बैल चालित पम्प फिटिंग करते हुए इंजीनियर एवं किसान

चोइरा गाँव मे बैल चालित पम्प स्थापित

चोइरा गाँव मे बैल चालित पम्प स्थापित

किसानों द्वारा चलाते हुए बैल चालित पम्प

चोइरा गाँव मे बैल से चलाते हुए बैल चालित पम्प

किसानों द्वारा चलाते हुए बैल चालित पम्प